Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to provide better railway connectivity to North Gujarat .

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा): गुजरात में सिर्फ उत्तर गुजरात को छोड़कर सभी क्षेत्रों की सूरत और मुंबई की कनेक्टीविटी का सीधा रेल व्यवहार है। उत्तर गुजरात में सरहदी/सीमावर्ती बनासकांठा, पाटन, अरावली, साबरकांठा और मध्यवर्ती मेहसाना जिला पड़ता है। करीबन डेढ़ करोड़ की जनता का सामाजिक, आर्थिक, व्यापारी सम्पर्क सूरत और मुंबई से होता है, लेकिन आजादी के 70 वर्षों बाद भी सूरत और मुंबई जाने के लिए कोई सीधा ट्रेन व्यवहार नहीं है। पालनपुर और मेहसाना की कनेक्टीविटी वाली दिल्ली, राजस्थान से आती हुई ट्रेनों पर लोगों को निर्भर रहना पड़ता है और टिकट कोटा कम होने के कारण जनता को ट्रेन के बजाय बसों पर निर्भर रहना पड़ता है। रेल पटरियाँ खाली पड़ी रहती हैं और बसों की भारी-भरकम प्रक्रिया के कारण भारी ट्रैफिक, आकस्मिक परिस्थितियों का भय, ज्यादा किराया देने के कारण भारी आर्थिक बोझ झेलना पड़ता है।

गुजरात मेल मुंबई से अहमदाबाद सुबह 5 बजे पहुँचकर रात को 10 बजे तक रेलवे यार्ड में 17 घंटे खड़ी रहती है। गुजरात क्वीन अहमदाबाद में 8 घंटे और गुजरात एक्सप्रेस अहमदाबाद में 10 घंटे से ज्यादा खड़ी रहती है। उनको पालनपुर तक दौड़ाया जाए। इंदौर और गांधीनगर के बीच चलने वाली शान्ति एक्सप्रेस गाड़ी गांधीनगर रात भर खड़ी रहती है, उसको मेहसाना तक बढ़ाया जाए। इससे पालनपुर, मेहसाना, पाटन की जनता के लिए रेल सुविधा बढ़ेगी। वैसे ही मेहसाना जो ओएनजीसी-ऑयल सिटी, मिल्क सिटी और इंडस्ट्रीयल सिटी कहलाता है तथा रानकीवाव पाटन जो एक वर्ल्ड हैरिटेज है, एशिया की सबसे बड़ी स्पाईस मंडी, सूर्य मंदिर मोढेरा है। वहाँ टूरिस्टों का भारी आवागमन रहता है उनकी भी सहुलियत बढ़ेगी।